This question paper contains **3** printed pages]

A—444—2018

FACULTY OF ARTS

B.A. (First Year) (First Semester) EXAMINATION

OCTOBER/NOVEMBER, 2018

HINDI

Paper II (Optional)

(नाटक तथा एकांकी)

(MCQ+Theory)

(Monday, 26-11-2018) **Time : 10.00 a.m. to 12.00 noon**

Time—2 *Hours* *Maximum Marks*—40

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) बहुपर्यायी प्रश्नों (MCQs) के लिए नकारात्मक अंकदान हैं।

(*iii*) थ्योरी (Theory) प्रश्नों के आगे अंक दिए गए हैं।

(MCQ)

1. निम्नलिखित बहुपर्यायी (MCQs) प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) मोहन राकेश का असली नाम क्या था ?

(A) जीवन राम राकेश (B) मदन मोहन राकेश

(C) राजीव कृष्ण राकेश (D) कमल नयन राकेश

(*ii*) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का जन्म ..... को हुआ।

(A) 15 सितंबर 1927 (B) 13 अप्रैल 1925

(C) 9 मार्च 1935 (D) 25 फरवरी 1923

(*iii*) 'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' किसकी एकांकी है ?

(A) लक्ष्मीनारायण लाल (B) मोहन राकेश

(C) ममता कालिया (D) सफदर हाशमी

(*iv*) 'लड़ाई' नाटक का नायक ..... है।

(A) प्रिंसिपल (B) महेश्वरानंद

(C) सत्यव्रत (D) उद्घोषक

P.T.O.

(*v*) नवयुवकों की दिशाहीनता का चित्रण किस एकांकी में हुआ है ?

(A) परिचय (B) कँवारी धरती

(C) जान से प्यारे (D) समरथ को नहिं दोष गुसाईं

(*vi*) 'अभिनय' किस विधा का तत्व है ?

(A) कहानी (B) उपन्यास

(C) निबंध (D) एकांकी

(*vii*) 'लड़ाई' नाटक में सत्यव्रत ..... अखबार के दफ्तर में आता है।

(A) दैनिक भास्कर (B) दैनिक जागरण

(C) दैनिक सत्यपथ (D) दैनिक विवेक

(*viii*) 'एक घूँट' एकांकी के रचनाकार कौन हैं ?

(A) बद्रीनाथ भट्ट (B) जयशंकर प्रसाद

(C) भारतेंदु हरिश्चंद्र (D) डॉ. रामकुमार वर्मा

(*ix*) ''इसे यहाँ से निकालो। यह नास्तिक है। धर्म का शत्रु है।'' यह किसका कथन है ?

(A) दरोगा (B) कंडक्टर

(C) पुलिस (D) महेश्वरानंद

(*x*) 'अविनाश' ..... एकांकी का पात्र है।

(A) परिचय (B) कँवारी धरती

(C) जान से प्यारे (D) समरथ को नहिं दोष गुसाईं

(Theory)

2. ससंदर्भ व्याख्या कीजिये : 5

''आपको यह बेड एक गरीब आदमी की जान लेकर दिया जा रहा है। मैं लोगों को इकट्ठा करूँगा। अस्पताल की ईंट से ईंट बजा दूँगा।''

अथवा

''रजनी ! दिमाग खराब हो रहा है तेरा ? तेरे आगे सारी जिन्दगी पड़ी है। तुझे अपनी जिन्दगी में पढ़ना लिखना है, अपना घर बनाना है। अभी से तू जिन्दगी में घुन लगाकर बैठ जाएगी तो .....।''

3. ''लड़ाई नाटक में वर्तमान व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया गया है।'' स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'सत्यव्रत' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. 'जान से प्यारे' एकांकी के आधार पर आधुनिक युग में गिरी हुई नैतिकता तथा टूटते हुए संबंधों पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' एकांकी का आशय स्पष्ट कीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए : 5

आधुनिक युगीन एकांकी।

अथवा

एकांकी का संवाद तत्व।

EF34F4D77D56A5729A27756F99CB4BE8